an>

Title: Regarding waiving of KCC loan of farmers affected from natural calamaties.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : उपाध्यक्ष महोदय, हम किसानों के बारे में बहुत सारी बातें करते हैं लेकिन इम्प्लीमेंटेशन हो पाए, उसमें हम सब पीछे रह जाते हैं। मैं बिहार के बारे में कहना चाहती हूं। वर्ष 2008 में कोसी बांध टूटा था। लगभग दो-ढाई लाख हेक्टेयर खेतिहर भूमि का नुकसान हुआ। आज तक डेढ़ लाख हेक्टेयर भूमि में बालू है। अभी तक पूॅंपर तरीके से किसान वहां खेती नहीं कर सके। किसान केसीसी लोन लेते हैं। वर्ष 2008 के किसानों का केसीसी लोन, जो उस बाढ़ से अफैक्ट हुए, उनका भी केसीसी लोन आज तक माफ नहीं किया गया। 21 तारीख को नार्दर्न बिहार के पूर्णिया, मधेपुरा, रवसौल, सीतामढ़ी, दरभंगा, सुपौल, किशनगंज, भागलपुर आदि में चक्रवाती तूफान आया। वहां गेहूं, मकई, मूंग, आम, लीची की खेती का नुकसान हुआ। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहती हूं कि इस बार भूकम्प और चक्रवात से जिनकी खेतिहर भूमि का नुकसान हुआ, उनका केसीसी लोन और जो 2008 से किसानों का आज तक लोन माफ नहीं हुआ, उनकी लोन माफी पर गंभीरता से चिंतन किया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।